परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था

(भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग का स्वायत्त निकाय)

ATOMIC ENERGY EDUCATION SOCIETY

(An autonomous body under Department of Atomic Energy, Government of India)

सुनील गंजू
अध्यक्ष

Sunil Ganju
Chairman

शिक्षक दिवस का संदेश

प्रिय शिक्षकों,

शिक्षक दिवस के विशेष अवसर पर, जो महान दार्शनिक, विद्वान एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के रूप में मनाया जाता है, आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ एवं सादर आभार। आप सभी को शुभकामनाएँ देते हुए मुझे अत्यंत हर्ष एवं गौरव की अनुभूति हो रही है।

परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था का एक विशिष्ट दायित्व है कि वह मूल्य-आधारित, समग्र एवं ऐसी शिक्षा प्रदान करे, जो निरंतर बदलते भारत की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी हो। परमाणु ऊर्जा विभाग के परिवार का हिस्सा होते हुए, आप सभी को युवा मनों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और राष्ट्र-निर्माण की भावना विकसित करने का अनूठा अवसर प्राप्त है। देशभर में स्थित हमारे 30 परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालयों की कक्षाओं में आपकी धैर्यशीलता, समर्पण और प्रत्येक बच्चे की क्षमता में अटूट विश्वास ही साधारण पाठों को जीवनभर की प्रेरणा में परिवर्तित करता है। आप हमारे राष्ट्र के भविष्य के मौन शिल्पकार हैं। आपके इन्हीं मूल्यों के प्रति समर्पण ने हमारे विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में, बल्कि खेल, कला, नैतिक मूल्यों और नागरिक उत्तरदायित्व के क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाया है।आप हमारे विद्यालयों के किसी भी स्थान अथवा केंद्र पर कार्यरत हों, आपकी सेवा-भावना, निष्ठा और समर्पण सदैव एक समान बने रहते हैं । यही एकरूपता, प्रतिबद्धता और समर्पण प. ऊ. शि. सं. को वास्तव में विशिष्ट बनाता है|

मै आपके द्वारा प्रतिदिन सामना की जाने वाली चुनौतियों —शैक्षणिक कठोरता और प्रत्येक विद्यार्थी को व्यक्तिगत ध्यान देने के बीच संतुलन स्थापित करना, नई शिक्षण-पद्धतियों एवं प्रौद्योगिकी को अपनाना तथा निरंतर विकसित होते शैक्षिक परिदृश्य के साथ कदम मिलाकर चलना, से भली-भाँति परिचित हूँ, । आपकी दृढ़ता, लचीलापन और अनुकूलनशीलता संपूर्ण संस्था परिवार को निरंतर प्रेरित करती है।आज इस अवसर पर मैं उन अनगिनत अदृश्य घंटों का भी उल्लेख करना चाहता हूँ, जो आप पाठ तैयार करने, कॉपियाँ जाँचने, संकोची विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने तथा प्रत्येक बच्चे को संवेदनशीलता और स्नेह के साथ दिशा देने में लगाते हैं। आपकी भूमिका अब केवल कक्षा तक सीमित नहीं रह गई है; आप मार्गदर्शक, संरक्षक और कई बार विद्यार्थी के जीवन में सबसे स्थिर एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व होते हैं। परमाणु ऊर्जा विभाग तथा परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था की शासी परिषद आपके योगदान को भली-भाँति पहचानती हैं और उसका पूरी तरह से सम्मान करती हैं ।

शिक्षा का भविष्य तेजी से डिजिटल साधनों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नवीन शिक्षण-पद्धतियों से जुड़ता जा रहा है। ये परिवर्तन शिक्षक की भूमिका को कम नहीं करेंगे; बल्कि शिक्षकों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक, व्यक्तिगत एवं सार्थक बनाने के नए अवसर प्रदान करेंगे।आज शिक्षक की भूमिका पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण और बौद्धिक रूप से अधिक अपेक्षापूर्ण हो गई है। आज की दुनिया

....2/-

में सूचनाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन जिज्ञासा को विकसित करना आवश्यक है; ज्ञान तक पहुँचना संभव है, लेकिन विवेक को विकसित करना आवश्यक है। एक युवा मन को अगला प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करने वाला शिक्षक ही होता है। यही शिक्षण का वास्तविक विज्ञान है। यह भावना प्रत्येक परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय की कक्षा में जीवंत रहनी चाहिए।

इस वर्ष, जब हम अपने शैक्षणिक मानकों को और सुदृढ़ करने तथा शिक्षण-अधिगम की प्रक्रियाओं में नवाचार को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, आपकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत "विकसित भारत @2047" के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक या तकनीकी प्रगति का लक्ष्य नहीं है; यह एक मानव पूँजी निर्माण का अभियान है। भविष्य में जो वैज्ञानिक नई खोज करेगा, जो अभियंता अगली पीढ़ी की तकनीक विकसित करेगा, जो उद्यमी रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा, जो लोकसेवक ईमानदारी और निष्ठा से राष्ट्र की सेवा करेगा, जो नवोन्मेषक किसी अनसुलझी समस्या का समाधान खोजेगा और जो जिम्मेदार नागरिक हमारे लोकतंत्र, समाज एवं पर्यावरण की रक्षा करेगा—वे सभी आज कहीं न कहीं किसी कक्षा में बैठे हुए हैं। इसलिए हमारे समक्ष कार्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करने से कहीं अधिक व्यापक है।हम उन मानव-चरित्रों और व्यक्तित्वों का निर्माण कर रहे हैं, जो भारत के भविष्य को आकार देंगे।

आइए, हम आगे बढ़ते हुए स्वयं को एक ऐसी पीढ़ी के निर्माण के लिए पुनः समर्पित करें, जो जिज्ञासु, संवेदनशील, साहसी तथा हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य के मूल्यों में निष्ठापूर्वक रची-बसी हो। आइए, हम अपने विद्यार्थियों में उस अन्वेषण एवं प्रश्न करने की भावना को निरंतर प्रोत्साहित करें, जो विज्ञान के केंद्र में है, और उस मानवीय संवेदना को विकसित करें, जो शिक्षा के केंद्र में है।

शिक्षक दिवस के इस हर्षपूर्ण अवसर पर, मैं आप सभी एवं आपके परिवारों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ एवं हृदय से आभार प्रेषित करता हूँ।

आप अपने विद्यार्थियों के जीवन में सदैव मार्गदर्शक प्रकाश बने रहें और शिक्षण जैसे महान एवं गरिमामय व्यवसाय में आपको निरंतर आनंद, संतोष और उद्देश्य की अनुभूति होती रहे। आपकी कक्षाएँ सदैव जिज्ञासा, खोज और प्रेरणा के केंद्र बनी रहें तथा आपके विद्यार्थियों के जीवन पर आपके मार्गदर्शन की अमिट छाप सदैव बनी रहे।

सादर एवं आभार सहित,

सुनील गंजू

सुनील गंजू